भेड़–बकरियों में फिड़किया रोग (एन्ट्रोटोक्सिमिया)

कारण

यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम समूह के जीवाणु से होती है

लक्षण

- पशु जमीन सूँघने लगता है, और ऐसे दिखायी देता है जैसे वह चराई कर रहा हो
- पेट में दर्द होने के कारण वह बेचैन होकर उछलने कूदने एवं तड़फड़ाने लगता है
- पशु की मांसपेशियों में खिंचाव
- सिर को दीवार या खंभें से मारना
- पशु का जमीन पर गिरना और टांगों एवं गर्दन में खिंचाव आना

- पशु में आफरा होना
- आंखें चौकन्नी नजर आती हैं तथा मुँह से झाग निकलने लगता है
- पशु का जल्दी-जल्दी सांस लेना और मांसपेशियों का फड़कना
- पशुओं में दस्त होना
- पशु का गिरना तथा लेटे-लेटे साइकिल की तरह पैरों को चलाना
- लक्षण प्रकट होने के दो से तीन घंटे में पशु की मृत्यु हो जाना

बचाव व उपचार

तीन माह से अधिक की आयु वाले पशुओं में प्रतिवर्ष टीकाकरण करायें

- प्रोटीन युक्त चारा कम मात्रा में खिलायें
- शाम को बाड़े में बन्द करते समय भेड़, बकरी का निरीक्षण अवश्य करें
- पेट फूलने/आफरा आने पर 10 से 20 ग्राम मीठा सोडा पिलायें
- बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर उपचार के लिये तुरंत पशु चिकित्सालय में सम्पर्क करें
- जिन क्षेत्रों में बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा हो उन क्षेत्रों में अधिक समय तक चराई नहीं करायें

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग
स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.)
(राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय)
एन.एच. 11, आगरा रोड़, जामडोली, जयपुर-302031